



स मा चार

विधान सभा सचिवालय मध्यप्रदेश समाचार

विधान सभा समितियां सदन की पूरक होती हैं : डॉ. शर्मा विधान सभा समितियों की संयुक्त बैठक संपन्न

भोपाल : 10 अप्रैल, 2017

परिणाम मूलक विधायन से ही लोकतंत्र की सफलता सुनिश्चित होती है। आदर्श लोकतांत्रिक प्रणाली की पहली आवश्यकता निष्पक्ष और निर्मल विधायी कार्य संचालन है जिसमें विधान सभा समितियां महती भूमिका का निर्वहन करती हैं। वस्तुतः विधायन और उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया के संदर्भ में विधान सभा समितियां सदन की पूरक होती हैं जिनका महत्व सदन से कमतर नहीं होता। यह बात विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा ने आज विधान सभा सभागार में वर्ष 2017-2018 की अवधि के लिये गठित विधान सभा समितियों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुये कही। डॉ. शर्मा ने कहा कि समितियों की व्यापक एवं पारिणामिक कार्य-प्रणाली से विधायिका तथा कार्य पालिका के मध्य परस्पर विश्वास बढ़ता है, परिणाम स्वरूप जन-कल्याण के कार्यों को मूर्तरूप मिलता है।

नवगठित समितियों के सभापतियों एवं सदस्यगणों को हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए डॉ. शर्मा ने विश्वास जताया कि आप सभी योग्य सदस्यगण इन महत्वपूर्ण समितियों में अपनी भूमिका एवं दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने में सफल होंगे।

संयुक्त समितियों की बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कहा कि विधायी नवाचार विचारशील व्यक्ति करते हैं और विचार अन्तर्मन से जन्म लेते हैं। डॉ. मिश्र ने समिति प्रणाली को सदन की प्रतिछाया निरूपित किया। इस अवसर पर लोक लेखा समिति के सभापति श्री महेन्द्र सिंह कालूखेड़ा, प्राक्कलन समिति के सभापति श्री गिरीश गौतम तथा सरकारी उपक्रम समिति के सभापति श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री अवधेश प्रताप सिंह ने सर्वप्रथम संयुक्त समिति की बैठक के औचित्य एवं समिति प्रणाली की अवधारण पर प्रकाश डाला।

संयुक्त बैठक में विभिन्न समितियों के सभापति एवं सदस्यगण, विधान सभा अपर सचिवद्वय श्री वीरेन्द्र कुमार एवं सुधीर शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

वि.स./ज.स./2017

(मुकेश मिश्रा)
सूचना अधिकारी.